दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 16 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 139

अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका से एक नहीं, दो विमानों में भरकर आ रहे भारतीय प्रवासी, सबसे ज्यादा पंजाब के लोग

न्यूयॉर्क । अमेरिका से अवैध भारतीय प्रवासियों को डिपोर्ट किया जा रहा है। वहीं, इस बीच खबर आ रही है कि अमेरिका से दो विमान भारत आ रहे है। दोनों विमानों में अवैध तरीके से पकड़े गए भारतीय मौजूद है। यह दोनों विमान अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड होंगे। एक विमान आज पहुंचेगा और दूसरा विमान कल यानि रविवार को पहुंचेगा। बताया जा रहा है कि इन दोनों विमानों में सबसे ज्यादा लोग पंजाब के हैं। वहीं, इस मामले को लेकर राजनीति में माहौल काफी गर्माया हुआ है। अमृतसर में अमेरिकी विमान की लैंडिंग पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आपत्ति जताई थी। मान ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम करने के लिए अमृतसर एयरपोर्ट पर अमेरिकी विमान को उतारने की इजाजत दी है। सीएम के इस बयान पर राजनीति गरमा गई है। पंजाब भाजपा के उपाध्यक्ष फतेहजंग सिंह बाजवा ने कहा कि अब तक जिन लोगों को डिपोर्ट किया गया है, उनमें से 67 पंजाब से हैं और बाकी अन्य राज्यों से हैं।

कुरान को आग लगा रहा था शख्स, तभी हो गया चाकू से हमला

लंदन । लंदन में तुर्की दूतावास के बाहर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ कुरान का अपमान करने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति पर चाकू से हमला किया गया। यह घटना गुरुवार दोपहर को नाइट्सब्रिज इलाके में स्थित दूतावास के सामने हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक व्यक्ति दूतावास के सामने पवित्र कुरान को आग लगाने का प्रयास कर रहा था। तभी अचानक एक अन्य व्यक्ति ने उस पर हमला कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में, पीड़ित को कुरान जलाते हुए और बाद में जमीन पर गिरा हुआ दिखाया गया है, जबकि हमलावर उसे लात मार रहा है। वीडियो में हमलावर को चाकू निकालते और पीड़ित पर हमला करते हुए भी देखा जा सकता है। लंदन पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को मामूली चोटें आई हैं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि पीड़ित को चाकू से कोई गंभीर घाव नहीं हुआ है, बल्कि उसके हाथ में चोट लगी है।

'ऑटो टैरिफ' योजना पर ट्रंप जल्द करेंगे बड़ा ऐलान, बढ़ सकती हैं ऑटोमोटिव इंडस्ट्री की मुश्किलें

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अप्रैल की शुरुआत में आयातित कारों पर टैरिफ की घोषणा करेंगे, जो दक्षिण कोरियाई ऑटोमोटिव उद्योग के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति 2 अप्रैल को ऑटो टैरिफ की घोषणा करने जा रहे हैं। ट्रंप टैरिफ का इस्तेमाल अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और अनधिकृत प्रवासियों और ड्रग्स के प्रवाह को रोकने सहित दूसरे नीतिगत लक्ष्यों को पाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कर रहे हैं। ट्रंप की टैरिफ-आधारित नीति के बीच, यह आशंकाएं बढ़ रही हैं कि एशिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था उनके प्रशासन के निशाने पर आ सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ दक्षिण कोरिया का व्यापार अधिशेष 55.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था।

परमाणु ऊर्जा का पावरहाउस बनेगा भारत: केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने हाल ही में कहा कि विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन की शुरुआत घरेलू परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने, निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने और एडवांस्ड परमाणु टेक्नोलॉजी को स्थापित करने की एक बड़ी योजना की रूपरेखा तैयार करती है।

भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाते हुए केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए 20,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसका लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए एसएमआर को चालू करना है।

गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह पहल 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने और सस्टेनेबल एनर्जी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. सिंह ने बजट में तकनीकी इनोवेशन और ऊर्जा स्वतंत्रता को दी गई तवज्जो की सराहना की। उन्होंने परमाणु उद्योग में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति देने के ऐतिहासिक फैसले पर प्रकाश डाला और इसे भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए गेमचेंजर बताया।

उन्होंने कहा कि ये उपाय न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद करेंगे बल्कि 2047 तक भारत को एडवांस न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडरशिप की ओर भी ले जाएंगे।

स्पेस सेक्टर को प्राइवेट प्लेयर्स के लिए खोलने की सफलता पर विचार करते हुए डॉ. सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि परमाणु क्षेत्र में इसी तरह के सुधार विकास और इनोवेशन को गति देंगे।

उन्होंने कहा कि दशकों से परमाणु उद्योग कड़े नियमों के तहत काम करता रहा है, लेकिन हाल ही में नीतिगत बदलावों का उद्देश्य 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के साथ अधिक खुलेपन और सहयोग को बढ़ावा देना है।

केंद्रीय मंत्री ने भारत की ऊर्जा रणनीति की आधारशिला के रूप में परमाणु ऊर्जा स्थापित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया।

उन्होंने इसे तकनीकी रूप से एडवांस और आत्मनिर्भर राष्ट्र के लिए एक रोडमैप बताया।

सुनीता विलियम्स की वापसी की उलटी गिनती शुरू, लेकिन धरती पर कदम रखते ही घेर लेंगी मुसीबतें

नई दिल्ली । आरएनएस

आखिरकार वह घड़ी आ गई है जिसका कई लोगों को बेसब्री से इंतजार था। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की धरती पर वापसी की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर आठ महीने का लंबा समय बिताने के बाद, सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर अब पृथ्वी की ओर वापस यात्रा करने के लिए तैयार हैं।

यह वापसी अंतरिक्ष यात्रियों के लिए चुनौतियों से भरी होगी। सबसे बड़ी चुनौती पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के साथ तालमेल बिठाना है। लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद, पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल शरीर पर एक मजबूत प्रभाव डालेगा।

बुच विल्मोर ने इस बारे में बात करते हुए कहा, गुरुत्वाकर्षण बहुत मुश्किल है। जब हम वापस आते हैं, तो यह हमें नीचे खींचता है। शरीर के तरल पदार्थ नीचे की ओर बहने लगते हैं, और यहां तक कि एक पेंसिल उठाना भी मुश्किल लग सकता है।" सुनीता विलियम्स भी इस चुनौती को लेकर पूरी तरह से जागरूक हैं। उन्होंने कहा, धरती पर लौटना आसान नहीं होगा। यह एक क्रमिक प्रक्रिया होगी, जिसमें हमें अपनी मांसपेशियों को फिर से सक्रिय करना होगा।

अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें मांसपेशियों की कमजोरी, हड्डियों के घनत्व में कमी और शरीर में तरल पदार्थों का असंतुलन शामिल है। रिपोर्टों के अनुसार, अंतरिक्ष में प्रत्येक महीने में एक अंतरिक्ष यात्री की हड्डियों का घनत्व 1त्न तक कम हो जाता है, क्योंकि गुरुत्वाकर्षण की अनुपस्थिति में हड्डियों पर कोई भार नहीं होता है।

वापसी के बाद, सुनीता विलियम्स को एक कठोर पुनर्वास कार्यक्रम से गुजरना होगा ताकि उनके शरीर को पृथ्वी की परिस्थितियों के अनुकूल बनाया जा सके। अंतरिक्ष में, शरीर के तरल पदार्थ चेहरे की ओर चले जाते हैं, जिससे चेहरा फूला हुआ दिखता है और हाथ-पैर पतले लगते हैं।

दिल्ली मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षा में सेंध, एग्जिट गेट फांदते दिखे यात्री, डीएमआरसी ने दी सफाई

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली मेट्रो में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक गंभीर सवाल उस वक्त खड़ा हो गया जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में कई लोग दिल्ली मेट्रो स्टेशन के एग्जिट गेट से कूदते हुए और शोर मचाते हुए बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना को शब-ए-बारात के मौके की बताया जा रहा है, जिसके बाद से दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के हाथों में है।

वीडियो वायरल होने के बाद, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने मामले पर अपनी सफाई पेश की है। ष्ठरूक्रष्ट के अनुसार, यह वीडियो 13 फरवरी को जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन का है। बताया कि 13 फरवरी की शाम को जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर अचानक यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। इसी दौरान, कुछ यात्रियों ने जल्दबाजी में एग्जिट गेट को कूदकर पार करने की कोशिश की।

दिल्ली मेट्रो ने आगे कहा कि ऐसे यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षाकर्मी हर समय स्टेशन पर मौजूद थे। इस घटना को ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट पर अचानक भीड़ बढऩे के कारण कुछ यात्रियों की "क्षणिक प्रतिक्रिया" बताया है। यह भीड़ केवल कुछ समय के लिए ही थी और स्थिति जल्द ही सामान्य हो गई। यह घटना जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर वायलेट लाइन पर घटित हुई।

किन्नर अखाड़े का विवाद गहराया, महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने दी सनातन धर्म छोड़ने की चेतावनी

हरिद्वार । आरएनएस

महाकुंभ में किन्नर अखाड़े का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर हिमांगी सखी के एक बयान ने नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। अखाड़े में पहले से चल रहे विवाद से क्षुब्ध होकर हिमांगी सखी ने न केवल किन्नर अखाड़ा, बल्कि सनातन धर्म तक छोडऩे की चेतावनी दे दी है। उन्होंने कहा कि अखाड़े के भीतर चल रहा विवाद अब उनके सहनशक्ति से बाहर हो गया है और वह जल्द ही धर्म परिवर्तन पर विचार कर सकती हैं।

महामंडलेश्वर हिमांगी सखी का यह बयान किन्नर अखाड़े की ही एक अन्य महामंडलेश्वर कल्याणी नंद गिरी पर हुए हमले के बाद आया है। हिमांगी सखी ने कहा कि इस हमले का आरोप उन पर लगाया जा रहा है, जबकि उनका इससे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले उन पर भी जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हुई थीं। हिमांगी सखी ने आरोप लगाया कि वह हमला स्वयं किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने करवाया था।

हिमांगी सखी ने किन्नर अखाड़े में वर्चस्व की लड़ाई चलने की बात कहते हुए इस जंग को जल्द से जल्द खत्म करने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि यह विवाद शीघ्र ही समाप्त नहीं होता है, तो उन्हें अखाड़े और सनातन धर्म से अलग होने पर मजबूर होना पड़ेगा, और वह धर्म परिवर्तन जैसा कदम भी उठा सकती हैं।

गौरतलब है कि बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने पर पहली किन्नर जगद्गुरु महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने ही सवाल उठाया था। इसके बाद ही उन पर जानलेवा हमला हुआ था। इस हमले में हिमांगी सखी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं, लेकिन उनकी जान बच गई थी। उन्होंने इस हमले के लिए आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी और उनके सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया था। ममता कुलकर्णी के एक बार महामंडलेश्वर पद छोडऩे और फिर उसी पद पर दोबारा आसीन होने को हिमांगी सखी ने हास्यास्पद बताया। उन्होंने कहा कि इन लोगों को धर्म और शास्त्रों से कोई सरोकार नहीं है। यह केवल दिखावे की जिंदगी है और इन लोगों ने सनातन धर्म का मजाक बना दिया है। हिमांगी सखी ने किन्नर अखाड़े में मांस-मदिरा के सेवन का भी आरोप लगाया और बताया कि कई लोग शराब के नशे में उनके शिविर में भी घुस आए थे।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के बाद बना एक और रिकॉर्ड, प्रयागराज एयरपोर्ट पर उतरे 650 चार्टर्ड प्लेन

प्रयागराज । आरएनएस

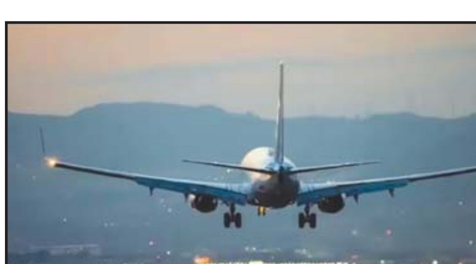

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ का आज 34वां दिन है. महाकुंभ में इस बार कई नए रिकॉर्ड बने हैं. अब तक महाकुंभ के दौरान 50 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं. इसके बाद महाकुंभ में एक और रिकॉर्ड बन गया है. अभी भी हर दिन दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंच रहे हैं. 26 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ में 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है.

अलग-अलग राज्य सरकारें श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज के लिए स्पेशल बसें चला रही हैं तो वहीं रेलवे ने भी विभिन्न राज्यों से महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेनों का इंतजाम किया है. लेकिन इसके साथ ही करोड़ों लोग अपने निजी वाहनों से भी महाकुंभ में पहुंच रहे हैं. यही नहीं दर्जनों लोग अपने चार्टर्ड प्लेन से भी महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगाने के लिए प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंच चुके हैं.

बता दें कि प्रयागराज एयरपोर्ट पर आम दिनों की तुलना में महाकुंभ के दौरान हर दिन कई चार्टर्ड और प्राइवेट जेट लैंड कर रहे हैं. जिसके चलते प्रयागराज एयरपोर्ट पर भी विमानों की लाइन लग गई हुई है. महाकुंभ के चलते प्रयागराज में गाडिय़ों की पार्किंग के अलावा एयरपोर्ट पर भी प्राइवेट जेट और चार्टर्ड विमानों को इंतजार करना पड़ रहा है.

बता दें कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट पर अब तक 650 से ज्यादा चार्टर्ड प्लेन उतर चुके हैं. इस दौरान सबसे ज्यादा 71 चार्टर्ड विमान 11 फरवरी को प्रयागराज एयरपोर्ट पर उतरे. जो अब तक का रिकॉर्ड है. इससे पहले 8 फरवरी के बाद से हर दिन प्रयागराज एयरपोर्ट पर 60 से ज्यादा चार्टर्ड और निजी विमान उतर रहे हैं. इसके बाद ये आंकड़ा बढक़र 650 के ऊपर निकल गया है.

महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगाने के लिए देश के सेलिब्रिटी, विदेशी राजनयिक और फिल्म व मनोरंजन जगत से जुड़े हजारों लोग चार्टर्ड प्लेन से प्रयागराज पहुंच रहे हैं. अभी भी ऐसे उद्योगपतियों का संगम नगरी में आना जारी है जो चार्टर्ड प्लेन से यहां पहुंच रहे हैं. इनके अलावा स्पाइसजेट, इंडिगो, एयर इंडिया की नियमित उड़ानें भी यहां उतर रही हैं. हफ्ते में 300 से ज्यादा विमान प्रयागराज एयरपोर्ट पर लैंड कर रहे हैं.

टेरर लिंक के चलते 3 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने लिया बड़ा एक्शन

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने टेरर लिंक के चलते राज्य के 3 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें पुलिस का एक कांस्टेबल फिरदौस भट्ट भी शामिल है, जो पुलिस में रहते लश्कर के लिए काम करता था।

उपराज्यपाल ने एक पुलिस कांस्टेबल, एक शिक्षक और वन विभाग के एक अर्दली समेत 3 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। तीनों कर्मचारी अलग-अलग आतंकवाद से जुड़े मामलों में जेल में बंद हैं। यह बड़ी कार्रवाई उपराज्यपाल की अध्यक्षता में सुरक्षा समीक्षा बैठक के एक दिन बाद की गई।

बैठक में उपराज्यपाल ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को आतंकवादियों और परदे के पीछे छिपे आतंकी तंत्र को बेअसर करने के लिए आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने का निर्देश दिया था। उपराज्यपाल ने यह भी कहा था कि आतंकवाद का समर्थन और वित्तपोषण करने वालों को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पिछले 13 फरवरी को मनोज सिन्हा ने कहा था कि आतंकवाद के हर अपराधी और समर्थक को इसकी कीमत चुकानी होगी।

कुपवाड़ा में सेना ने चलाया संयुक्त सर्च ऑपरेशन, हथियार और गोला-बारूद बरामद

जम्मू

भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुपवाड़ा क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 2 पिस्तौल, 4 पिस्तौल मैगजीन और अन्य गोला-बारूद बरामद किए गए।

कुपवाड़ा के चन्नीपुरा पेन स्थित बांदी मोहल्ला में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को ज्वाइंट सर्च ऑपरेशन चलाया। यह ऑपरेशन विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया। भारतीय सेना के चिनार कोर ने इस ऑपरेशन को लेकर जानकारी साझा की। भारतीय सेना के चिनार कोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑपरेशन की जानकारी देते हुए लिखा, ऑपरेशन बंदी, कुपवाड़ा। 14 फरवरी 2025 को विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा सामान्य क्षेत्र बंदी मोहल्ला, चन्नीपुरा पैन, कुपवाड़ा में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान 2 पिस्तौल, 4 पिस्तौल मैगजीन और गोला-बारूद बरामद किया गया है। ऑपरेशन जारी है। इससे पहले, 5 फरवरी को बारामूला जिले के उरी सेक्टर के एक इलाके में सुरक्षाबलों ने एक ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया था। उरी सेक्टर के अंगनपथरी वन क्षेत्र में एक खोखले देवदार के पेड़ से हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद किया गया था। इसमें 3 एके-47 राइफल, 11 मैगजीन, 292 गोलियां, एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल), 9 यूबीजीएल ग्रेनेड और 2 हैंड ग्रेनेड थे। इन हथियारों को कंबल में लपेट कर रखा गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना ने खुफिया सूत्रों से मिली गुप्त सूचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। जिसमें बताया गया था कि बारामूला के जंगलों में आतंकियों ने हथियारों का जखीरा छिपा रखा गया है।

'लव जिहाद' पर कानून ला रही सरकार, होंगे सख्त नियम

मुंबई । आरएनएस

महाराष्ट्र सरकार ने जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' के मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए इस पर कानून बनाने के लिए एक सात सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति राज्य में वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करेगी और इस संबंध में उचित कानूनी उपायों की सिफारिश करेगी। इस समिति का नेतृत्व महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) करेंगे। इसमें महिला एवं बाल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण, विधि एवं न्यायपालिका, सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग के सचिव और गृह विभाग के दो प्रतिनिधि शामिल होंगे।

समिति अन्य राज्यों में जबरन धर्मांतरण को लेकर बनाए गए कानूनों का अध्ययन करेगी और महाराष्ट्र में इस प्रकार का कानून लागू करने की संभावनाओं पर विचार करेगी। साथ ही यह समिति राज्य में 'लव जिहाद' और जबरन धर्मांतरण के मामलों की मौजूदा स्थिति का आकलन करेगी और इससे निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर अपनी सिफारिश देगी। सरकार के इस कदम का समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने विरोध किया है। उनका कहना है कि राज्य सरकार के पास ऐसे मामलों का कोई ठोस आंकड़ा नहीं है और यह केवल धर्मांतरण के मुद्दे को 'जिहाद' का नाम देकर राजनीति कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने पहले 1 लाख से अधिक 'लव जिहाद' के मामलों की बात कही थी। लेकिन अब तक एक भी मामले में ठोस पुलिस केस दर्ज नहीं किया जा सका है। विधानसभा में भी उन्होंने इस मुद्दे को उठाया था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले भी कह चुके हैं कि राज्य सरकार जबरन धर्मांतरण के मामलों पर कानून लाने की योजना बना रही है। खासकर ऐसे मामलों में जहां धर्मांतरण के बाद विवाह किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में लागू कानूनों का अध्ययन किया जा रहा है। जब वह 2023 में महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। तब उन्होंने विधानसभा में भी इस तरह के कानून की जरूरत को लेकर बयान दिया था।

सरकारी प्रस्ताव के अनुसार कई जनप्रतिनिधियों, संगठनों और नागरिकों ने जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' को रोकने के लिए कानून बनाने की मांग की थी। इस समिति को यह भी जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह इस मुद्दे से जुड़े कानूनी पहलुओं की समीक्षा करे और राज्य सरकार को उपयुक्त सुझाव दे। समिति अपनी रिपोर्ट पेश करने के बाद राज्य सरकार कानून बनाने पर अंतिम निर्णय लेगी। अगर यह कानून लागू होता है तो यह महाराष्ट्र में जबरन धर्मांतरण और 'लव जिहाद' के मामलों को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। हालांकि इस पर राजनीतिक विवाद जारी रहने की संभावना है।